

प्रेषक,

सुशांत पटनायक
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 18 जून, 2012

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं0-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2012-13 के आयोजनेतर पक्ष की "सामान्य अधिकान" योजना में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012 एवं आपके पत्रांक-नि01684/3-2(आयोजनेतर), दिनांक 30 अप्रैल, 2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-754/X-2-2012-12(18)2012, दिनांक 27 अप्रैल, 2012 द्वारा निर्गत वित्तीय स्वीकृति के अतिरिक्त वन विभाग के आयोजनेतर पक्ष की "सामान्य अधिकान" योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में दिनांक 01 अप्रैल, 2012 से 31 जुलाई, 2012 तक के लिये 04 माह के लेखानुदान के सापेक्ष ₹ 1,36,34,000/- (रेणक करोड़ छत्तीस लाख चौंतीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं : -

1. उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012, दिनांक 30 मार्च, 2012 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
2. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राप्तिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य भाष्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
3. यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय, जिससे की फैलू स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
4. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी0एम0-17 पर प्रत्यक्ष माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।
5. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय।

द्वमसा:...2

6. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रिमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
7. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति अवधनबद्ध मदों से सम्बन्धित है। अतः इन मदों में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय और यह सुनिश्चित किया जाये कि वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जाय और तद्वारा प्रत्येक मद के सम्बन्ध में प्राविधानित आंवटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी।
8. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं0-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
10. व्यय में मितव्ययता निर्धारित आवश्यक है। अतः व्यय करने समय-मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इस सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तद्वारा विशेषकर आयोजनेतर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
11. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय।
12. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा।
13. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
14. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1206271324 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के स्वीकृत लेखा अनुदान के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 01-वानिकी 001 निदेशन तथा प्रशासन 03 सामान्य अधिष्ठान हेतु संलग्न तालिका में अंकित विवरणानुसार संगत मदों के नामें डाला जाएगा।

3- ये आदेश वित्त विभाग (अनुभाग-1) के शासनादेश सं0-193/XXVII(1)/2012 दिनांक 30 मार्च, 2012 द्वारा वित्तीय वर्ष 2012-13 में वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने सम्बन्धी दिशा-निर्देश के कम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

मवदीय,

(सुशांत पटनायक)

अपर सचिव

क्रमांक:...3

11/22

संख्या- (1)/X-2-2012, तदूदिनांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रोष्ठित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहाटनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रक्रोच्छ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. विल अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वित्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. गार्ड फाईल.

आङ्गा से,

(सुशात पटनायक)

अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पर संख्या - S1206271324

अनुदान संख्या - 027

अनोटमेंट आई फ़ि - S1206271324

आवंटन पर दिनांक - 14-Jun-2012

लेखा शीर्षक - 2406 - वानिकी तथा बन्य जीवन
001 - निदेशन तथा प्रशासन
00 - सामान्य अधिकार

01 - वानिकी

03 - सामान्य अधिकार

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

Non Plan Voted

मानक नंद का नाम	पूर्ण में जारी	वर्तमान में जारी	शोग
01 - वेतन	400000000	0	400000000
02 - मजदूरी	50000000	0	50000000
03 - महाराई भत्ता	273333000	0	273333000
04 - याचा व्यय	0	4667000	4667000
05 - स्थानान्तरण याचा व्यय	0	833000	833000
06 - अन्य भत्ते	28667000	0	28667000
07 - मानवेत	0	33000	33000
08 - कार्यालय व्यय	0	1200000	1200000
09 - विद्युत देव	2833000	0	2833000
10 - जलकर / जल प्रभार	367000	0	367000
11 - लैबल भाष्याई और कार्यों की	0	267000	267000
12 - कार्यालय फर्नीचर एवं उपकर	0	333000	333000
13 - ट्रैलीकोल पर व्यय	867000	0	867000
15 - गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट	0	2000000	2000000
16 - व्यावसायिक तथा विशेष सेवा	667000	0	667000
17 - किराया, उपशालक भौंर कर-स	533000	0	533000
18 - प्रकाशन	0	250000	250000
19 - विज्ञापन, विज्ञि और विज्ञा	0	300000	300000
22 - आतिथ्य व्यय विवरक भत्ता आ	0	167000	167000
23 - गम सेवा व्यय	0	167000	167000
25 - लथ निर्माण कार्य	0	150000	150000
26 - मरीने और सज्जा /उपकरण औ	0	67000	67000
27 - चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	0	1667000	1667000
31 - सामग्री और सम्पूर्ति	0	600000	600000
39 - औषधि तथा दवायान	200000	0	200000
41 - धोजन व्यय	267000	0	267000
42 - अन्य व्यय	0	267000	267000
44 - प्रशिक्षण व्यय	0	183000	183000
45 - अवकाश याचा व्यय	0	133000	133000
46 - कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर	0	133000	133000
47 - कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्ध	0	217000	217000
	757734000	13634000	771368000